विषय-सूची

			पृष्ठ
(अ)	आयोजना और उसका इतिहास	यशपाल जैन	ग्यारह
(आ)	आभार	आर्थिक सहायता प्रदान करने वालो की सूची	सत्रह
(इ)	निवेदन	बनारसीदास चतुर्वेदी	अठारह
	१—अभिनदन		१–६२
१	उपकृत्त (कविता)	श्री सियारामशरण गुप्त	३
२.	आयोजन का स्वागत	सर सर्वपल्ली राधाकृष्णन्	४
३.	अभिनदन	श्री पुरुषोत्तमदास टडन	४
४	सौमनस्य के दूत	श्री काका कालेलकर	४
५.	प्रेमी जी : जीवन-परिचय	स० सि० धन्यकुमार जैन	५
६	मार्ग-दर्शक प्रकाशक	श्री हरिभाऊ उपाध्याय	६
७	श्री नाथूराम जी प्रेमी	प० बेचरदास जी० दोशी	१०
८	'हिन्दी-ग्रथ-रत्नाकर' और उसके मालिक	स्व० हेमचद्र मोदी	१३
९	मेरा सद्भाग्य	श्री जैनेन्द्रकुमार	२२
१०.	मेरी भाषा के निर्देशक	श्री किशोरीदास वाजपेयी	२५
११	प० नाथूराम जी प्रेमी	श्री आदिनाथ नेमिनाथ उपाध्ये	२६
१२.	जुगजुग जियहु (कविता)	श्री बुद्धिलाल श्रावक	२६
१३	सैंतीस वर्ष	श्री पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी	२७
१४	प्रेमी जी	श्री रामचद्र वर्मा	३२
१५	स्मरणाध्याय	आचार्य प० सुखलाल सघवी	३५
१६	प्रेमी जी के व्यक्तित्व की एक झलक	राय कृष्णदास	४०
१७	वे मधुर क्षण ?	श्री नरेन्द्र जैन एम० ए०	४२
१८	कुछ स्मृतियाँ	श्री शिवसहाय चतुर्वेदी	४५
१९.	स्वावलम्बी प्रेमी जी	श्री लालचद्र बी० सेठी	४७
२०	आदर्श प्रकाशक	श्री भानुकुमार जैन	४९
२१.	हार्दिक कामना	श्री मामा वरेरकर	५०
२२.	इतिहासकार प्रेमी जी	श्री गो० खुशाल जैन एम० ए०	५१
२३	प्रेमी जी की देन	प० देवकीनदन	५६
२४	आभार	मुनि जिनविजय	५७
२५	सुधारक प्रेमी जी	श्री कृष्णलाल वर्मा	६०

			पृष्ठ
	२–भाषा-विज्ञान और हिन्दी-साहित्य		६३–१६०
१	भारतीय आर्य-भाषा में बहुभाषिता	डा० सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या	६५
२	'वीच' की व्युत्पत्ति	डा० आर्येन्द्र शर्मा	७४
३	अश्वों के कुछ विशिष्ट नाम	प्रो० पी० के० गोडे	८१
४	सस्कृत व्याकरण में लकारवाची सज्ञाएँ	प्रो० क्षितीशचद्र चट्टोपाध्याय	८८
५	'गो' शब्द के अर्थों का विकास	डा० मगलदेव शास्त्री	९०
६	मरण से (कविता)	श्री मैथिलीशरण गुप्त	९५
७	हमारे पुराने साहित्य के इतिहास की सामग्री	श्री हजारीप्रसाद द्विवेदी	९६
८	व्रजभाषा का गद्य-साहित्य	श्री प्रेमनारायण टडन	१००
९	गीत	श्री सोहनलाल द्विवेदी	११०
१०	फोर्ट विलियम कॉलेज और विलिम प्राइस	डा० लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय	१११
११	मानव और मैं (कविता)	श्री उदयशकर भट्ट	१२०
१२	हिन्दी गद्य निर्माण की द्वितीय अवस्था	प्रो० सत्येंद्र	१२२
१३	पृथ्वीराज रासो की विविध वाचनाएँ	प्रो० मूलराज जैन	१३०
१४.	काफल-पाक्कू (कविता)	श्री चद्रकुँवर वर्त्वाल	१३५
१५	विक्रम और बेताल-कथा में तथ्यान्वेषण (सचित्र)	श्री सूर्यनारायण व्यास	१३९
१६	साधना है गान मेरे (कविता)	प्रो० सुधेन्द्र	१४३
१७	समालोचना और हिन्दी में उसका विकास	प्रो० विनयमोहन शर्मा	१४८
१८	अदृष्ट (कविता)	ठा० गोपालशरणसिंह	१५९
१९	हिन्दी कविता के कलामडप	प्रो० सुधीन्द्र	१५०
२०.	जायसी का पक्षियो का ज्ञान	श्री सुरेश सिंह	१५७
२१	उपेक्षित बाल-साहित्य	सर्वश्री खद्दर जी और दद्दा जी	१६३
२२	मैं हूँ नित्य वर्तमान (कविता)	श्री वीरेन्द्रकुमार	१६६
२३	हिन्दुस्तान में छापेखाने का आरभ (सचित्र)	श्री अनत काकावा	१६७
२४	भारत में समाचार-पत्र और स्वाधीनता	श्री अम्बिकाप्रसाद वाजपेयी	१८२
२५	गीत	प० गोकुलचद्र शर्मा	१९०
	३–भारतीय सस्कृति, पुरातत्त्व और इतिहास		१९१–२९२
१	सस्कृति या सभ्यता ?	श्री किशोरलाल घ० मश्रूवाला	१९३
२	हमारी सस्कृति का अधिकरण	सत निहालसिंह	१९४
३	दादू और रहीम	आचार्य क्षितिमोहन सेन	१९८
४.	उत्तर भारत के नाथ-सम्प्रदाय की परम्परा में बगाली प्रभाव	डा० सुकमार सेन	२०२
५	हिन्दू-मुस्लिम सवाल का आध्यात्मिक पहलू	प० सुन्दरलाल	२०५
६	प्राचीन आर्यों का जलयात्रा-प्रेम (सचित्र)	श्री कृष्णदत्त वाजपेयी	२१०
७	ग्यूआन्-चुआङ् और उनके भारतीय मित्रों के बीच का पत्र-व्यवहार	डा० प्रबोधचद्र बागची	२१३

		पृष्ठ
८. ऋषिभिर्बहुधा गीतम्	डा० वासुदेवशरण अग्रवाल	२१७
९. दो महान सस्कृतियों का समन्वय	प्रो० शान्तिप्रसाद वर्मा	२२०
१०. कुछ जैन अनुश्रुतियां और पुरातत्त्व	डा० मोतीचद्र	२२९
११. जैन-ग्रथो में भौगोलिक सामग्री और भारतवर्ष में जैन-धर्म का प्रसार	डा० जगदीशचद्र जैन	२५०
१२. हिन्दू राजनीति में राष्ट्र की उत्पत्ति	डा० बटुकृष्ण घोष	२६९
१३ इतिहास का शिक्षण	श्री रसिकलाल छोटालाल पारीक	२७३
१४. देवगढ़ का गुप्तकालीन मदिर	प० माधवस्वरूप 'वत्स'	२७६
१५. मथुरा का जैनस्तूप और मूर्तियां (सचित्र)	श्री मदनमोहन नागर	२७९
१६ महाराज मानसिह और 'मान-कौतूहल' (सचित्र)	प्रो० हरिहरनिवास द्विवेदी	२८५
१७ जैन और वैष्णवो के पारस्परिक मेल-मिलाप का एक शासन-पत्र	डा० वासुदेवशरण अग्रवाल	२९०
४—जैन-दर्शन		२९३–३६२
१. जैन तत्त्वज्ञान	प० सुखलाल सघवी	२९५
२. जैन दार्शनिक साहित्य का सिहावलोकन	प्रो० दलसुख मालवणिया	३०३
३ परम साख्य	श्री जैनेन्द्रकुमार	३२३
४. जैनदर्शन का इतिहास और विकास	प० महेन्द्रकुमार न्यायाचार्य	३२७
५. स्याद्वाद और सप्तभगी	प० कैलाशचद्र सिद्धान्तशास्त्री	३३४
६. सर्वज्ञता के अतीत इतिहास की झलक	प० फूलचद्र जैन सिद्धान्तशास्त्री	३४५
७. जैन-मान्यता में धर्म का आदि समय और उसकी मर्यादा	प० वशीधर व्याकरणाचार्य	३५६
५—सस्कृत, प्राकृत और जैन साहित्य		३६३–५१२
१. सुमित्रा पचदशी	डा० बहादुरचद्र छावडा	३६५
२. विक्रमसिह रचित पारसी सस्कृत-कोष	डा० बनारसीदास जैन	३६७
३. पाणिनि के समय का सस्कृत-साहित्य	प्रो० बलदेव उपाध्याय	३७२
४. प्रतिभा-मूर्ति सिद्धसेन दिवाकर	प० सुखलाल सघवी	३७७
५. सिद्धसेन दिवाकरकृत 'वेदवादद्वात्रिंशिका'	प० सुखलाल सघवी	३८४
६. नयचद्र और उनका ग्रथ 'रभामजरी'	डा० आदिनाथ नेमिनाथ उपाध्ये	४११
७. प्राकृत और सस्कृत पच-सग्रह तथा उनका आधार	श्री हीरालाल जैन सिद्धान्तशास्त्री	४१७
८. आचार्य श्री हरिभद्र सूरि और उनकी समरमयंकाकहा	मुनि पुण्यविजय	४२४
९. 'भगवती-आराधना' के कर्ता शिवार्य	श्री ज्योतिप्रसाद जैन	४२५
१०. श्रीदेव-रचित 'स्याद्वादरत्नाकर' में अन्य ग्रथों और ग्रथकारो के उल्लेख ..	डा० वी० राघवन	४२९

		पृष्ठ
११. अपभ्रंश भाषा का 'जम्बूस्वामिचरित' और महाकवि वीर	प० परमानद जैन	४३९
१२. षट्खडागम, कम्मपयडी, सतक और सित्तरी प्रकरण	प० हीरालाल जैन	४४५
१३. जैन-साहित्य	श्री हजारीप्रसाद द्विवेदी	४४८
१४ जैन-साहित्य में प्राचीन ऐतिहासिक सामग्री	श्री कामता प्रसाद जैन	४५५
१५. जैन-साहित्य की हिन्दी-साहित्य को देन	श्री रामसिंह तोमर	४६४
१६. जैन-साहित्य का प्रचार	मुनि न्यायविजय	४७०
१७ जैन-साहित्य का भौगोलिक महत्व	श्री अगरचद नाहटा	४७३
१८. महाकवि रत्न का दुर्योधन	श्री के० भुजवली शास्त्री	४८८
१९ अभिनव धर्मभूषण और उनकी 'न्यायदीपिका'	प० दरबारीलाल कोठिया	८९२
२०. 'जैन-सिद्धान्त-भवन' के कुछ हस्तलिखित हिन्दी-ग्रथ	श्री परमानद जैन	४९८
२१ 'माणिकचद्र-ग्रथमाला' और उसके प्रकाशन	श्री राजकुमार जैन साहित्याचार्य	५०६
६—मराठी और गुजराती साहित्य		५१३–५६२
१. मराठी-साहित्य की कहानी	प्रो० प्रभाकर माचवे	५१५
२. मराठी में जैन-साहित्य और साहित्यिक	श्री रावजी ने० शहा	५३०
३ मराठी-साहित्य में हास्यरस	श्री के० ना० डाँगे	५३८
४. मराठी का कोशसाहित्य	श्री प्रा० वा० ना० मुडी.	५४१
५. रासयुग के गुजराती-साहित्य की झलक	श्री केशवराव काशीराम शास्त्री	५४३
६. ऐतिहासिक महत्व की एक प्रशस्ति	श्री साराभाई मणिलाल नवाब	५४६
७ चौदहवीं सदी का गुजरात का राजमार्ग	श्री धीरजलाल धनजीभाई शाह	५५४
८. नल-दवदन्ती-चरित्र	प्रो० भोगीलाल जयचदभाई साडेसरा	५५८
७—बुन्देलखड		५६३–६२७
१ बुन्देलखण्ड (कविता)	स्व० मुशी अजमेरी जी	५६५
२. बुन्देलखण्ड के इतिहास की कुछ महत्वपूर्ण ऐतिहासिक सामग्री	डा० रघुवीरसिंह	५६९
३. बुन्देलखण्ड के दर्शनीय स्थल	सर्वश्री राधाचरण गोस्वामी और शिव-सहाय चतुर्वेदी	५७४
४. बुन्देलखण्ड की पावन भूमि (कविता)	स्व० रसिकेद्र	५८३
५. प्रेमी जी की जन्मभूमि देवरी	श्री शिवसहाय चतुर्वेदी	५८४
६ बुन्देलखण्ड की पत्र-पत्रिकाएँ	श्री देवीदयाल चतुर्वेदी 'मस्त'	५८८
७. बुन्देलखण्ड का एक महान सगीतज्ञ	श्री वृन्दावनलाल वर्मा	५९३
८. वर वदनीय बुन्देलखण्ड (कविता)	स्व० घासीराम 'व्यास'	६०१
९. विध्यखण्ड के वन	डा० रघुनाथसिंह	६०३

		पृष्ठ
१०. बुन्देली लोक-गीत	सर्वश्री गौरीशकर द्विवेदी और देवेन्द्र सत्यार्थी	६०७
११. बुन्देलखण्ड के कवि (कविता)	श्री गौरीशकर द्विवेदी	६२१
१२. अहार और उसकी मूर्तियाँ	श्री यशपाल जैन	६२४
८—समाज-सेवा और नारी-जगत		६२७–६९८
१. जैन-सस्कृति में सेवा-भाव	जैन-मुनि श्री अमरचद्र उपाध्याय	६२९
२. समाज-सेवा	महात्मा भगवानदीन	६३२
३. सस्कृति का मार्ग—समाज-सेवा	श्री भगवानदास केला	६४४
४ समाज-सेवा का आदर्श	श्री अजितप्रसाद	६४६
५. जैन-समाज के बीसवीं सदी के प्रमुख आन्दोलन	श्री परमेष्ठीदास जैन	६५३
६ ऋग्वेद में सूर्या का विवाह	प्रो० धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री	६५७
७. भारतीय नारी की वर्तमान समस्याएँ	श्रीमती कमलादेवी चट्टोपाध्याय	६६६
८. भारतीय नारी की बौद्धिक देन	श्रीमती सत्यवती मल्लिक	६७०
९ सस्कृत-साहित्य में महिलाओ का दान	डा० यतीन्द्र विमल चौधरी	६७६
१०. भारतीय गृहों का अलकरण	श्री जयलाल मेहता	६८०
११. धर्मसेविका प्राचीन जैन देवियाँ	ब्र० चदाबाई	६८४
१२. काश्मीरी कवियित्रियाँ	कुमारी प्रेमलता कौल एम० ए०	६९२
९—विविध*		६९९–७४६
१. कौटिल्य-कालीन रसायन	डा० सत्यप्रकाश	७०१
२. जैन-गणित की महत्ता	श्री नेमिचद्र जैन	७१३
३. विश्व-मानव गाधी	श्री काशिनाथ त्रिवेदी	७२४
४ एक कलाकार का निर्माण	श्री काति घोष	७३५
५ अभिनदनीय प्रेमी जी	श्री जुगलकिशोर मुख्तार	७४०
६ साधक प्रेमी जी	प० बनारसीदास चतुर्वेदी	७४२
१०—चित्र-परिचय		७४७–७५१

चित्र-सूची

		पृष्ठ
१	श्री नाथूराम प्रेमी	तीन
२	श्रद्धाजलि	चार
३	स्व० हेमचद्र, श्री नाथूराम प्रेमी और हेमचद्र की माता स्व० रमाबाई—	८
४	स्व० हेमचद्र (१९१२)	११
५.	स्व० हेमचद्र (सन् १९३२)	३६

---

*इस विभाग में स्फुट लेखो के अतिरिक्त कुछ ऐसे लेख भी दिये गये है, जो देर से प्राप्त होने के कारण उक्त विभागो में नहीं जा सके ।

		पृष्ठ
६	चि० विद्याधर, यशोधर और चम्पावाई	४३
७	पोशित भृत्तिका	१३६
८	उज्जैन के वेताल-मदिर का एक दृश्य	१४१
९	सित्तन्नवासल की नृत्य-मुग्धा अप्सरा	१६६
१०	देवगढ का विष्णुमदिर	२०८
११	विष्णु-मदिर का प्रवेश द्वार	२२४
१२	शेप-शायी विष्णु	२४०
१३	नरनारायण-तपश्चर्या	२५६
१४	गजेन्द्र-मोक्ष	२७२
१५	आयागपट्ट, जिस पर बौद्धस्तूप का नकशा बना है	२८०
१६	उत्तर-गुप्त-कालीन तीर्थंकर-मूर्तियाँ	२८१
१७	गुप्त-कालीन तीर्थंकर-मूर्ति	२८२
१८	महाराज मानसिंह तोमर द्वारा निर्मित मानमदिर के भित्ति-चित्र और पत्थर की कारीगरी	२८५
१९	महाराज मानसिंह के पूर्वज डूगरेन्द्रदेव द्वारा निर्मित ग्वालियर गढ की तीर्थंकरो की मूर्तियाँ	२८६
२०	मानमदिर की विशाल हथिया पौर—	२८७
२१	महाराज मानसिंह द्वारा गूजरी रानी मृगनयना के लिए बनवाया गया 'गूजरी महल'	२८८
२२	प्रकृति-कन्या	५६०
२३–२९	बुन्देलखण्ड-चित्रावली	
	(१) ओरछा का किला	५६५
	(२) ओरछा में वेत्रवती	५७६
	(३) बुन्देलखण्ड का एक ग्रामीण मेला	५८९
	(४) उषा-विहार	५९३
	(५) बरी-घाट	६०५
	(६) जतारा (ओरछा राज्य) के सरोवर का एक दृश्य	६०९
	(७) कुण्डेश्वर का जल-प्रपात	६१४
३०	अहार का एक दृश्य	६२४
३१	भगवान शातिनाथ की मूर्ति	६२५
३२	भगवान कुथनाथ की मूर्ति	६२६
३३	पद्मांजलि	६७२
३४	नृत्यमत्ता	७३६